ऋषि चिंतन का विस्तार करते विचार क्रांति के विविध प्रयोग

विचार क्रांति आवश्यक क्यों ?

खाचरौद, उज्जैन (मध्य प्रदेश)

शांतिकुंज प्रतिनिधि श्री वीरेश्वर उपाध्याय जी ने खाचरौद के विज्ञ समाज को संबोधित करते हुए कहा कि जिस प्रकार अग्नि के पास बैठने पर शरीर का ताप बढ़ता है, उसी प्रकार ईश्वर के पास बैठने पर व्यक्ति में सद्‌गुण बढ़ने ही चाहिए। यदि ऐसा नहीं होता है तो या तो हम भगवान के पास नहीं, कहीं और बैठे हैं या बीच में कोई पर्दा पड़ा है।

श्री उपाध्याय जी ने कहा कि धर्म वही है, जो मूल प्रकृति के साथ संतुलन बनाना सिखाये। आज तो छद्म धार्मिकता का बोलबाला है। धर्म सम्प्रदायों में खो गया है और व्यक्ति ने अपनी सुविधा और आवश्यकता के अनुरूप भगवान को गढ़ लिया है। लक्ष्मी स्वयं होकर पोषण के देवता भगवान विष्णु के पास गयी थी, लेकिन आज शोषकों ने उन पर बलात कब्जा कर लिया है।

खाचरौद के परिजन अपने क्षेत्र के प्रबुद्ध वर्ग को विचार क्रांति की आवश्यकता का अहसास कराने के लिए लम्बे समय से इच्छुक थे। ३ दिसम्बर को यह सुयोग बना और इन्दौर प्रवास पर गये श्री उपाध्याय जी का सान्निध्य उन्हें मिला। इस सम्मेलन में अनुविभागीय अधिकारी श्री गेहलोत, सीएमओ श्री बी.आर. कामले, न्यायाधीश श्रीमती सुरभि मिश्रा, जेलर श्री कुलश्रेष्ठ, नगर पालिका अध्यक्ष, जन प्रतिनिधि, अभिभावक संघ, पेंशनर समाज, ब्राह्मण समाज आदि के प्रतिनिधि-पत्रकार आदि बड़ी संख्या में उपस्थित थे। शांतिकुंज प्रतिनिधि ने तमाम सामाजिक विडम्बनाओं की चर्चा करते हुए बताया कि शरीर सेल्फ कन्ट्रोल्ड मशीन है, जो विचारों के अनुरूप कार्य करती है। विचार दूषित हैं, तभी विडम्बनाएँ हैं। उन्हें दूर करने के लिए विचार क्रांति की आज नितांत आवश्यकता है। उन्होंने विवाह, जन्मदिन आदि पर खर्चीले कार्यक्रम करने की बजाय छात्रों को छात्रवृत्ति, गरीब कन्याओं के पोषण जैसे समाजोपयोगी, कार्यक्रम चलाने का आवाहन समाज से किया।

आरंभ में कु मिश्रा एवं श्रीमती किरण शर्मा ने प्रार्थना व स्वागत गीत प्रस्तुत किये। श्री श्यामसुंदर भट्ट ने अतिथि परिचय दिया तथा डॉ. नरसिंह शर्मा ने गायत्री परिवार खाचरौद की गतिविधियों का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। सभा में अभिभावक संघ खाचरौद एवं सर्व ब्राह्मण समाज खाचरौद द्वारा शांतिकुंज प्रतिनिधि श्री वीरेश्वर उपाध्याय जी एवं उनके अग्रज श्री भुवनेश्वर उपाध्याय जी को सम्मानित किया गया। ◉

एक साथ गूँजे गुरुवाणी और गायत्री मंत्र

उन्नाव (उत्तर प्रदेश)

नरी गाँव के निकट निर्माणाधीन गुरुसागर अवतार वृद्धा आश्रम में १९ एवं २० अक्टूबर को मानवीय एकता को बल प्रदान करने वाले एक शानदार समारोह के साथ गुरुग्रंथ साहब की स्थापना हुई। इस उपलक्ष्य में गुरुवाणी, गायत्री महायज्ञ एवं सद्‌भाव सम्मेलन का आयोजन किया गया था। गुरुग्रंथ स्थापना समारोह में रागी जत्थों के शबद कीर्तन 'मानस की जात एकै पहचान वो' की गुरुवाणी गूँजी, वहीं गायत्री शक्तिपीठ शुक्लागंज, उन्नाव की टोली ने वहाँ गायत्री महायज्ञ सम्पन्न कराया, जिसमें हजारों लोगों ने बड़ी श्रद्धा के साथ आहुतियाँ समर्पित कीं।

> गुरुग्रंथ साहब की स्थापना का कार्यक्रम विशाल कलश यात्रा से हुआ। आश्रम के प्रांगण में विशाल पाण्डाल सजाया गया था, जिसमें परम पूज्य गुरुदेव पं.श्रीराम शर्मा आचार्य एवं परम वंदनीया माता भगवती देवी शर्मा के विशाल चित्रों के साथ गुरुनानक साहब एवं स्वर्ण मंदिर के चित्र सजाये गये थे। गायत्री माता एवं भगवान गणेश की सुंदर प्रतिमाएँ भी स्थापित थीं। विहिप के श्री शैलेन्द्र त्रिपाठी ने कहा कि ऐसे दो धर्मों का मिला जुला कार्यक्रम एक बहुत बड़ी मिसाल कायम करेगा।

इस समारोह में दीपयज्ञ भी सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर आश्रम की संस्थापिका एवं सद्‌भावना सम्मेलन की संयोजिका सुश्री रजिंदर कौर ने कहा कि सभी लोग भेदभाव रहित प्रकाश अपने परिवार व मोहल्ले में जलाये रखें, तभी इस यज्ञ का असली उद्देश्य प्राप्त हो सकेगा। इस प्रकार के धार्मिक अनुष्ठानों में जहाँ अखण्ड पाठ के साथ गायत्री मंत्रों का जाप किया जाता है, वहाँ आपसी सौहार्द्र कायम होता है।

दीपयज्ञ के प्रमुख यजमान श्री गुरुसिंह सभा के सरदार गुरुवीर सिंह, हरमीत कौर, हरवंश कौर, बलविंदर कौर, हरजीत सिंह, मंजीत सिंह मरवाह सहित गायत्री परिवार के रवि त्रिपाठी, विद्यासागर शर्मा, अजय सिंह, योगेन्द्र मिश्रा आदि सैकड़ों लोगों ने एक साथ यज्ञ एवं गुरुवाणी में शामिल होकर लंगर छका। ◉

धूम मचाते युवा परिव्राजक

नवादा (बिहार)

देव संस्कृति विश्वविद्यालय में धर्म विज्ञान संकाय के दो विद्यार्थी चि. नेतराम और चि. उमेश कुमार अपने परिवीक्षा काल में नवादा जिले में सक्रिय रहे। इन युवा परिव्राजकों ने समाज के अभिनव निर्माण में अपना शानदार योगदान देते हुए क्रांतिकारी सफलताएँ अर्जित कीं, जिससे उस क्षेत्र में युग निर्माण आन्दोलन को गति और नयी दिशा मिली।

इस विद्यार्थी दल ने नवादा जिले के अकबरपुर, गोविन्दपुर, नवादा, हिसुआ, कौआकोल, रोह, वासोडीह आदि में विभिन्न कार्यक्रम कराते हुए लगभग ३५० कार्यकर्त्ताओं को कर्मकाण्ड, संगीत तथा प्रवचन कला का अभ्यास कराया। वे ५० विद्यालयों में गये और लगभग ५० हजार विद्यार्थियों को योगाभ्यास, स्वास्थ्य, संस्कृति आदि के विषय में उपयोगी जानकारियाँ प्रदान कीं।

विद्यालयों में योग प्रशिक्षण एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का मंचन करते विद्यार्थी

यह दल अपने नुक्कड़ नाटकों के लिए विशेष रूप से लोकप्रिय रहा। उन्होंने स्थानीय कार्यकर्त्ताओं का सहयोग लेकर विभिन्न समाजिक समस्याओं-दहेज का दानव, नशे का जहर, पर्यावरण संरक्षण, नारी जागरण, मृतक भोज आदि पर आकर्षक नाटक तैयार कर उनका मंचन किया। इन्हें देखने के बाद लोग बड़े उत्साह के साथ खड़े हो जाते और अपनी-अपनी बुराइयों को छोड़ने का संकल्प लेते थे। दोनों युवा परिव्राजकों ने भी इन नुक्कड़ नाटकों में अभिनय किया। ◉

युवा चेतना शिविरों का आयोजन

वांकानेर, राजकोट (गुजरात)

वांकानेर में ७ अक्टूबर २००७ को एक दिवसीय युवा चेतना शिविर का आयोजन हुआ। वांकानेर की तपोभूमि, महाकाली टेकरी, पाठशाला एवं गौशाला के मध्य रमणीक स्थल पर आयोजित इस शिविर में सौराष्ट्र-कच्छ के लगभग ५०० युवक-युवतियों ने बड़े आत्मिक उल्लास के साथ भाग लिया। जहाँ प्रांतीय जोनल प्रभारी श्री राजुभाई दवे सहित गुजरात के सात में से छः जोनों के प्रभारियों ने इस शिविर में उपस्थित रहकर शिविर को उच्च स्तरीय गरिमा प्रदान की, वहीं ओढ़व, वडोदरा, रांधनपुर के युवा संगठनों ने भी इसमें भाग लिया।

वांकानेर के शिविर में सम्मानित होते युवा उद्योगपति श्री घनश्याम ढोलकिया

वांकानेर सम्मेलन के मुख्य वक्ता शांतिकुंज में जोन प्रभारी श्री कालीचरण शर्मा एवं वडोदरा के विख्यात् मनोवैज्ञानिक सलाहकार डॉ मुकेश दलाल थे। प्रातः ९ से सायं ६ बजे तक के सम्मेलन में युवाशक्ति के नैतिक-सामाजिक दायित्व एवं संगठन सशक्तीकरण पर प्रमुख रूप से चर्चा हुई। श्री कालीचरण शर्मा जी ने सरल शब्दों में गायत्री परिवार को सम्प्रदाय नहीं, एक युग परिवर्तनकारी दैवी प्रवाह सिद्ध किया। डॉ. दलाल ने वर्तमान की तमाम समस्याओं के बीच अपने अंतःकरण में समाहित देवत्व को उभारने के नुस्खे बताये। कार्यक्रम का संचालन श्री पिनाकिन भाई राज्यगुरु ने किया। श्री अश्विन भाई रावल ने भोजन व्यवस्था संभाली।

युवा उद्योगपति का सम्मान

वांकानेर के युवा चेतना शिविर में अपने ही देव परिवार-गायत्री परिवार को समर्पित एवं तीन बार राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित युवा उद्योगपति श्री घनश्याम ढोलकिया का विशेष रूप से सम्मान किया गया। उन्हीं दिनों प्रधानमंत्री श्री मनमोहन सिंह से उन्होंने श्रेष्ठ युवा उद्योगपति का सम्मान प्राप्त किया था। इससे पूर्व वे तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. ए.पी. जे. अब्दुल कलाम एवं उपराष्ट्रपति श्री भैरोंसिंह शेखावत से भी राष्ट्रीय स्तर के सम्मान प्राप्त कर चुके हैं। उपस्थित युवा शक्ति ने उनका सम्मान करते हुए गौरव की अनुभूति की, वहीं कुछ उल्लेखनीय कार्य करने की प्रेरणा पायी। इस अवसर पर सर्वश्री मोहनभाई शास्त्री, बंशीभाई, जे.पी. आचार्य, मिस्त्री भाई, श्रीमती अनुराधा बेन, अश्विनभाई रावल आदि विशेष रूप से उपस्थित थे।

टाटानगर (झारखण्ड)

नवयुग दल टाटानगर ने अपने १३वें स्थापना दिवस पर युवा चेतना जागरण शिविर का आयोजन किया। ४ नवम्बर को आयोजित इस शिविर में पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम व सरायकेला-खरसवाँ जिले के अलावा बोकारो, गोड्डा, देवघर के भाई-बहिन भी शामिल हुए। कुल ४०० नवयुवकों की भगीदारी रही।

शिविर का शुभारंभ जोनल प्रतिनिधि-श्री मुरलीधर तर्वे ने दीप प्रज्वलन के साथ किया। मुख्य अतिथि श्री दिनेशानंद गोस्वामी ने इस अवसर पर युवकों को पश्चिम के अंधानुकरण की बजाय स्वावलम्बी बनने और दूसरों को रोजगार दे सकने की दक्षता हासिल करने की प्रेरणा दी।

सायंकाल दीपयज्ञ सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर धालभूम वन प्रमण्डल के डीएफओ श्री ए.टी. मिश्रा एवं श्री प्रीतपाल सिंह की विशेष उपस्थिति रही।

टाटानगर

प्रतिभागी नवयुवकों ने बलिप्रथा, मांसाहार, दहेज आदि को रोकने तथा बाल संस्कार शालाएँ चलाने के संकल्प लिए। शक्तिपीठ पर चल रही बाल संस्कार शाला के नन्हे मुन्नों को पुरस्कार एवं मिठाइयाँ प्रदान किये गये। ◉

दक्षिण में गायत्री महायज्ञ

पेरुदूरै, ईरोड (तमिलनाडु)

तमिलनाडु के ईरोड जिले में पेरुदूरै से करीब २२ किलोमीटर दूर कोलत्पालयम नामक गाँव में शांतिकुंज के कार्यकर्ताओं ने ११ कुण्डीय गायत्री महायज्ञ सम्पन्न कराया, जिसमें लगभग ५०० लोगों ने भाग लिया। इस यज्ञ में आसपास के गाँवों के लोगों ने भी भाग लिया। कुछ लोग तिरुप्पुर, ईरोड तथा पेरुदूरै से भी आये थे। यह कार्यक्रम मनगुण्डा अय्यप्पा भक्त मण्डल की तरफ से रखा गया था। यज्ञ में सभी लोगों ने आहुतियाँ समर्पित कर हार्दिक प्रसन्ता व्यक्त की तथा पूर्णाहुति के समय बहुत लोगों ने शराब, मांस, सिगरेट तथा अन्य नशीली चीजें छोड़ने के संकल्प भी लिए।

इस कार्यक्रम की व्यवस्था अय्यप्पा भक्त मण्डल के श्री ओ.के. सन्मुगम तथा आर. महादेवन ने तिरुप्पुर के गायत्री परिवार के कार्यकर्ता श्री हीरालाल मनोरा एवं श्री हरीश व्यास के सहयोग से की। कार्यक्रम का संचालन शांतिकुंज से पहुँचे श्री बिन्देश्वरी प्रसाद सिंह, श्री आर. राजकुमार तथा एम.एल. ठाकुर की टोली ने किया। पूरा कार्यक्रम तमिल भाषा में ही कराया गया। लोगों ने इस यज्ञ कार्यक्रम में भागीदारी को अपने जीवन का बड़ा सौभाग्य माना तथा आस-पास के गाँवों से आए लोगों ने अपने-अपने गाँव में भी यज्ञ कराने का संकल्प लिया। उन्होंने अप्रैल माह में तमिल भाषा में होने वाले ९ दिवसीय साधना शिविर में भाग लेने का भी मन बनाया। ◉

जल्दी उठना और जल्दी सोना एक पुरुष को स्वस्थ और समृद्ध बनाता है। -जेम्स थर्बर